सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 169 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 25 जुलाई, 2022
मूल्य ₹ 3/-

क्रोध के लिए सजा नही मिलती बल्कि अपने क्रोध से की गयी गलती के लिए सजा मिलती है।

-गौतम बुद्ध

चुनाव आयोग के आदेश के... 8 | तो अखिलेश ने राजभर के... 3 | सावन का सोमवार : शिवालयों... 7

द्रौपदी मुर्मू ने ली राष्ट्रपति पद की शपथ, कहा

यह मेरी व्यक्तिगत नहीं, देश के गरीबों की उपलब्धि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। द्रौपदी मुर्मू ने आज संसद के सेंट्रल हाल में 15वें राष्ट्रपति पद की शपथ ली। उन्हें सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश एनवी रमन ने राष्ट्रपति पद की शपथ दिलाई। मुर्मू इसी के साथ देश की पहली आदिवासी महिला बन गई है जो राष्ट्रपति बनीं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि मैं देश की ऐसी पहली राष्ट्रपति हूं, जिसका जन्म आजाद भारत में हुआ है। मैं जनजातीय समाज से हूं और वार्ड कौन्सिलर से लेकर भारत की राष्ट्रपति बनने तक का अवसर मुझे मिला है। यह लोकतंत्र की शक्ति है कि उसमें एक गरीब घर में पैदा हुई बेटी, दूर-सुदूर आदिवासी क्षेत्र में पैदा हुई बेटी, भारत के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंच सकती है। राष्ट्रपति के पद तक पहुंचना, मेरी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, ये भारत के प्रत्येक गरीब की उपलब्धि है।

» सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश ने दिलायी शपथ, राष्ट्रपति बनने वाली पहली आदिवासी महिला हैं मुर्मू

उन्होंने कहा कि मेरा निर्वाचन इस बात का सबूत है कि भारत में गरीब सपने देख भी सकता है और उन्हें पूरा भी कर सकता है। मेरे लिए बहुत संतोष की बात है कि जो सदियों से वंचित रहे, जो विकास के लाभ से दूर रहे, वे गरीब, दलित, पिछड़े तथा आदिवासी मुझमें अपना प्रतिबिंब देख रहे हैं। मेरे इस निर्वाचन में देश के गरीब का आशीर्वाद शामिल है, देश की करोड़ों महिलाओं और बेटियों के सपनों और सामर्थ्य की झलक है । इस निर्वाचन में पुरानी लीक से हटकर नए रास्तों पर चलने वाले भारत के आज के युवाओं का साहस भी शामिल है। ऐसे प्रगतिशील भारत का नेतृत्व करते हुए आज मैं खुद को गौरवान्वित महसूस कर रही हूं। मैं आज समस्त देशवासियों को, विशेषकर भारत के युवाओं तथा भारत की महिलाओं को ये विश्वास दिलाती हूं कि इस पद पर कार्य करते हुए मेरे लिए उनके हित सर्वोपरि होंगे। द्रौपदी मुर्मू ने शपथ लेने के बाद राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में औपचारिक सलामी ली। उनके साथ पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद भी मौजूद थे।

स्वास्थ्य विभाग के तबादलों में खेल की जांच का पता नहीं, पूरे प्रदेश में प्रदर्शन

» ट्रांसफर नीति को दरकिनार कर किए गए तबादलों से आक्रोश

» राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने कल से किया कार्य बहिष्कार का ऐलान

» जांच कमेटी ने सरकार को आज तक नहीं उपलब्ध करायी रिपोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग में व्यापक पैमाने पर हुए तबादलों में खेल पर बैठी जांच कमेटी की रिपोर्ट अभी तक नहीं आ सकी है। वहीं मनमानी तरीके से हुए तबादलों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी लामबंद हो गए हैं और लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। आज स्वास्थ्य कर्मियों ने प्रदेश भर में सीएमओ ऑफिस के सामने प्रदर्शन किया और ऐलान किया कि यदि तबादलों को निरस्त नहीं किया गया तो वे सड़क पर उतरेंगे। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने कल से 30 जुलाई तक दो घंटे के कार्य बहिष्कार का ऐलान किया है।

स्वास्थ्य विभाग में मनमाने ढंग तरीके से हुए तबादले को लेकर राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद से जुड़े कर्मचारियों ने सहारनपुर और लखनऊ समेत प्रदेश के सभी सीएमओ कार्यालय के सामने आज धरना-प्रदर्शन किया। फार्मासिस्ट एसोसिएशन ने कहा कि सहारनपुर में 29 फार्मासिस्ट के तबादले हुए हैं जिनमें से चार ट्रांसफर को लेकर एसोसिएशन विरोध कर रहा है। परिषद के जिलाध्यक्ष सुनील डोभाल का कहना है कि कुछ फार्मासिस्ट के ट्रांसफर ऐसे कर दिए गए है, जो ट्रांसफर नीति में नहीं आते हैं। दाम्पत्य नीति और विकलांग कर्मचारियों के ट्रांसफर कर दिए गए हैं। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी है कि सरकार नहीं मानी तो 30 जुलाई के बाद अनिश्चितकाल हड़ताल की जाएगी। गौरतलब है कि स्वास्थ्य विभाग के अफसरों ने मनमाने ढंग से तबादले किए। डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने इस पर नाराजगी जताई। डिप्टी सीएम की नाराजगी के बाद सीएम योगी ने 13 दिन पहले जांच के आदेश दिए थे। अपर मुख्य सचिव (गृह) अवनीश अवस्थी और संजय भूसरेड्डी से दो दिन में रिपोर्ट मांगी गई थी लेकिन कमेटी ने आज तक रिपोर्ट पेश नहीं की। इस मामले में डिप्टी सीएम ने स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद से जवाब-तलब भी किया था। फार्मासिस्ट फेडरेशन के अध्यक्ष सुनील यादव ने कहा कि तबादले में ट्रांसफर नीति का पालन नहीं किया गया। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने विसंगतियों को सुधारने की मांग की।

विपक्ष हमलावर

तबादलों में खेल को लेकर विपक्ष ने प्रदेश सरकार को घेरा है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार के मंत्री, अधिकारी मिलकर जनता को लूट रहे हैं। विभागों में तबादलों और नियुक्तियों में बड़े पैमाने पर लूट मची है। सरकार के भ्रष्टाचार की चर्चा हर जुबान पर है। वहीं बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि जनता ने देख लिया कि ट्रांसफर-पोस्टिंग में किस प्रकार भ्रष्टाचार का खेल हुआ है। इस खेल में बड़ी मछलियों को बचाने का प्रयास अभी भी जारी है।

सीएम योगी ने हेलीकॉप्टर से कांवड़ियों पर की पुष्प वर्षा

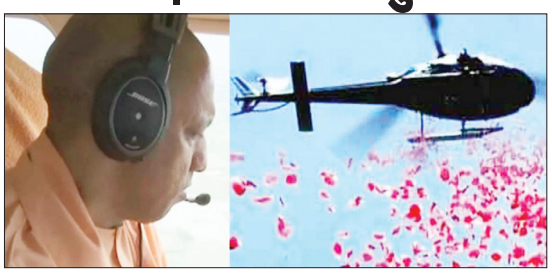

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज हेलीकॉप्टर से कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेरठ दिल्ली एनएच 58, दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस-वे, बागपत के पुरा महादेव के अलावा मुजफ्फरनगर में भी कांवड़ियों पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की। इस दौरान मंडल और जिले के आलाधिकारी अलर्ट मोड पर रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हेलीकॉप्टर दिल्ली हरिद्वार हाइवे 58 पर पुष्प वर्षा करते हुए खतौली बाईपास तक गया। जहां पर मुख्यमंत्री आसमान से शिवभक्तों पर फूलों की बारिश करते रहे। इसके बाद बागपत के पुरा महादेव मंदिर के आसपास भी मुख्यमंत्री ने कांवड़ियों के ऊपर पुष्प वर्षा की। पूरे क्षेत्र में पुष्प वर्षा के दौरान अलग ही नजारा देखने को मिल रहा था। मुख्यमंत्री ने बागपत के बलैनी स्थित परशुरामेश्वर महादेव मंदिर और कांवड़ मार्गों पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा की। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ बागपत के सांसद सत्यपाल सिंह भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने औघड़नाथ मंदिर तथा अन्य रूटों का एयर सर्वेक्षण किया। सावन के महीने में भक्त हरिद्वार और गोमुख से जल लेकर शिव मंदिरों में जलाभिषेक करते हैं।

» पश्चिमी यूपी के कई कांवड़ मार्ग पर की गई पुष्प वर्षा

सदस्यता अभियान को धार देना हमारा लक्ष्य : रामगोपाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इटावा। समाजवादी परिवार के आंतरिक मतभेद के बीच शिवपाल सिंह यादव को भेजी गई चिट्ठी पर रामगोपाल यादव ने जवाब दिया है। एसपी महासचिव ने कहा है कि वो इस चिट्ठी पर कुछ नहीं कह सकते हैं। रामगोपाल ने कहा कि इस पर मीडिया के लोगों को अखिलेश यादव से सवाल करना चाहिए।

रामगोपाल ने इटावा में अपनी बातचीत ने कहा कि फिलहाल यूपी में समाजवादी पार्टी का सदस्यता अभियान चल रहा है। इस अभियान में पार्टी से लोगों पर ही पूरा जोर दिया जा रहा है। जो भी लोग संगठन में अच्छा काम करेंगे, उन्हें संगठन के पदों पर भी उचित जगह जरूर मिलेगी। इससे पहले समाजवादी पार्टी ने विधायक शिवपाल यादव और सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर को 'आजाद' कर दिया। पार्टी ने एक पत्र के जरिए दोनों नेताओं से साफ कह दिया है कि अगर आपको लगता है, कहीं ज्यादा सम्मान मिलेगा तो वहां जाने के लिए आप स्वतंत्र है, लेकिन राजनीतिक गलियारों में ज्यादा चर्चा पत्र जारी के तरीके को लेकर है।

मायावती ने यूपी सरकार पर लगाया आरोप, कहा

ट्रांसफर-पोस्टिंग खेल में बड़ी मछलियों को बचाने का प्रयास

» राज्यों में सत्ता पलट व अस्थिरता का माहौल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पांच राज्यों में पार्टी संगठन की समीक्षा करते हुए बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने उत्तर प्रदेश सरकार पर पैने तीर चलाए। मायावती ने कहा कि यूपी में हर स्तर पर जारी भारी भ्रष्टाचार से त्रस्त जनता ने अब यह भी देख लिया कि सरकारी ट्रांसफर-पोस्टिंग में किस प्रकार भ्रष्टाचार का खेल हुआ है। यह एक धंधा बन गया है, जिसका खुलासा अंतत: सरकार को मजबूर होकर खुद ही करना पड़ा है। हालांकि इस खेल में बड़ी मछलियों को बचाने का प्रयास अभी भी लगातार जारी है।

बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार काफी पहले से भारी अंतर्कलह व जातिवादी आंतरिक बिगाड़ का शिकार है, जिससे शासन व्यवस्था पूरी तरह से चरमराई हुई है। इससे आमजन काफी प्रभावित है। अतिखर्चीले

सरकारी विज्ञापनों और झूठे प्रचार के साथ निरंतर सांप्रदायिक एवं धार्मिक विवादों के माध्यम से इन पर पर्दा डालने का प्रयास होता रहता है। मायावती ने कहा कि भाजपा सरकार में जातिवाद, सांप्रदायिकता, भ्रष्टाचार और नेताओं के आपसी घमासान से जनहित व विकास न जाने कब तक और कितना लंबा प्रभावित होता रहेगा? इसके अलावा बसपा प्रमुख ने गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ वहां के राजनीतिक हालात, कानून-व्यवस्था, चुनावी तैयारियों, संगठन के कार्यकलापों, जनाधार को बढ़ाने के लिए सक्रियता आदि के बारे में चर्चा और समीक्षा की।

बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि ने कहा कि खासकर गुजरात, महाराष्ट्र व कर्नाटक में आगामी विधानसभा आम चुनाव में मिशनरी सोच वालों पर ज्यादा भरोसा करना होगा, ताकि घोर स्वार्थी, विश्वासघाती व बिकाऊ सोच रखने वाले लोगों से पार्टी व मूवमेंट को थोड़ी मुक्ति मिल सके। वैसे यह समस्या हर पार्टी में पैदा हो गई है, जिसकी वजह से देश के विभिन्न राज्यों में सत्ता पलट व राजनीतिक अस्थिरता का माहौल है। धनबल का गंदा खेल जारी है। मायावती ने कहा कि महाराष्ट्र बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की खास कर्मस्थली रहा है। वहां के लोगों की उनके मानवतावादी मूवमेंट के प्रति विशेष जिम्मेदारी बनती है, जिसको समझकर आगे बढ़ने की जरूरत है।

गोरखपुर में मनेगा अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इस बार 29 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस समारोह गोरखपुर में मनाया जाएगा। इसमें बाघ संरक्षण के लिए देश भर के विशेषज्ञ जुटेंगे और अंतर सीमा सहयोग विषय पर विस्तार से चर्चा करेंगे। इस कार्यशाला का उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे।

» मुख्यमंत्री योगी 29 जुलाई को करेंगे शुभारंभ

दुधवा टाइगर रिजर्व की सीमाएं तो दूसरे देश नेपाल से मिलती हैं। प्रदेश में बाघ की संख्या भी तेजी से बढ़ी है। वर्ष 2014 में जहां हमारे यहां 117 बाघ थे वहीं वर्ष 2018 की गणना में इनकी संख्या 173 हो गई है। कार्यशाला में विशिष्ट अतिथि के रूप में वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री अरुण कुमार सक्सेना, राज्यमंत्री केपी मलिक, सांसद रवि किशन के अलावा अंतरराष्ट्रीय बाघ विशेषज्ञ डा. राजेश गोपाल, फिल्म अभिनेता रणदीप हुड्डा, विश्व प्रकृति निधि-भारत के सेक्रेटरी जनरल डॉ. रवि सिंह मुख्य रूप से उपस्थित होंगे।

शिक्षक भर्ती घोटाले पर ममता को पत्र लिखकर जानकारी मांगेंगे धर्मेंद्र प्रधान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। बंगाल में शिक्षक भर्ती घोटाले को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने एक बार फिर ममता सरकार पर निशाना साधा। बंगाल प्रवास के दूसरे दिन उन्होंने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यजनक है कि शिक्षकों की नियुक्ति में बहुत अनियमितता व भ्रष्टाचार सामने आया है। गड़बड़ी हुई है इसीलिए हाई कोर्ट तक को हस्तक्षेप करना पड़ा। एजेंसियां जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि इस भर्ती घोटाले को लेकर मैं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को जल्द पत्र लिखूंगा और भारत सरकार द्वारा इस संबंध में राज्य से पूरी जानकारी मांगी जाएगी।

प्रधान ने कहा कि हमसे कई शिक्षक अभ्यर्थी मिले जो 2013 से टेट परीक्षा के इंतजार में हैं, और भी शिक्षक हमसे मिले। मैंने उन्हें आश्वासन दिया कि हम इस मामले को देखेंगे और सीएम को पत्र को लिखेंगे। गौरतलब है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बंगाल में स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) के जरिए शिक्षक भर्ती घोटाले की जांच के सिलसिले में राज्य के कई हिस्सों में शुक्रवार को छापेमारी की थी और राज्य के उद्योग मंत्री पार्थ चटर्जी से मैराथन पूछताछ के बाद शनिवार को उन्हें गिरफ्तार किया। इससे पहले

छापेमारी में मंत्री की निकट सहयोगी एक महिला अर्पिता मुखर्जी के आवास से 21 करोड़ रुपये की नकदी और अन्य दस्तावेज बरामद हुए हैं। इस घटनाक्रम के बाद से भाजपा ममता सरकार के खिलाफ हमलावर है। इधर, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने एनईपी के मुद्दे पर कहा कि केंद्र बंगाल में नई शिक्षा नीति (एनईपी) लागू करने के लिए राज्य सरकार के साथ मिलकर काम कर रहा है। भाजपा के प्रवास अभियान के तहत राज्य के दो दिवसीय दौरे में प्रधान ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार नियमित रूप से बातचीत कर रही हैं और अगर कोई मतभेद है तो उसे दूर किया जा रहा है। बंगाल सरकार द्वारा एनईपी को लेकर उठाए गए कुछ मुद्दों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, मुझे पता नहीं है कि किसी के एनईपी 2020 के खिलाफ होने का क्या कारण हो सकता है।

26 जुलाई को सभी जिलों में तिरंगा यात्रा निकालेगा भाजयुमो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा की ओर से कारगिल विजय दिवस पर दो दिवसीय तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। 26 जुलाई को सभी जिलों में भाजयुमो कार्यकर्ताओं की ओर से प्रभात फेरी निकाली जाएगी। इसके लिए तैयारियां शुरू हो गई हैं।

भाजयुमो के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनोज पटवाल ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या के नेतृत्व में 25 जुलाई से कारगिल विजय दिवस पर तिरंगा यात्रा शुरू की जाएगी। यह यात्रा जम्मू कश्मीर के श्रीनगर लाल चौक से शुरू होकर कारगिल में संपन्न होगी। 26 जुलाई को कारगिल युद्ध स्मारक पर विजय दिवस मनाएगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने कार्यकर्ताओं से अपने-अपने राज्यों में शहीदों के घरों के आंगन से मिट्टी लाने का निर्देश दिए हैं। जो शहीदों की अमरता के प्रतीकात्मक संकेत के रूप में युद्ध स्मारक पर समर्पित किया जाएगा। तिरंगा यात्रा में भाजयुमो के राष्ट्रीय पदाधिकारी, कार्यकारी सदस्य और प्रदेश अध्यक्ष शामिल होंगे।

एक्सप्रेस-वे से प्रदेश को मिली नई पहचान : नंदी

» बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे को लेकर सपा पर हमलावर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे को लेकर समाजवादी पार्टी लगातार हमलावर है। इस पर उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने भी करारा जवाब दिया है। सपा मीडिया सेल ने नया ट्वीट करते हुए आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस को बेहतर बताया है। इस पर मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने करारा जवाब दिया है। यूपी के मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने ट्वीट में लिखा है कि जिन्होंने सत्ता के लिए पिता व चाचा का अपमान किया उनसे क्या बात करें।

मंत्री नंदी ने रीट्वीट कर समाजवादी पार्टी मीडिया सेल का कुछ इस तरह से जवाब दिया है। मिस्टर मिडिया सेल! ये जानकर खुशी हुई कि आपकी पार्टी में कोई ऐसा नेता नहीं बचा जो जवाब दे सके। हमें मानक और मर्यादा का पाठ उनसे सीखने की कतई आवश्यकता नहीं है जिन्होंने सत्ता के लिए अपने बुजुर्ग पिता और चाचा का अपमान करने में गुरेज नहीं किया। वहीं पिता जिन्होंने कभी मुख्यमंत्री की कुर्सी गिफ्ट की थी। उनकी बनाई पार्टी पर कब्जा करके छीनकर

जबरदस्ती स्वयंभू राष्ट्रीय अध्यक्ष बन गए। ट्वीट में मंत्री नंदी ने लिखा कि हमने पांच सालों में विश्वस्तरीय पूर्वांचल और बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे तैयार कर प्रदेश की जनता को लोकार्पित कर दिया और गंगा एक्सप्रेस-वे का काम शुरू कर दिया। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में देश-दुनिया में उत्तर प्रदेश को एक्सप्रेस प्रदेश की नई पहचान मिली है। नंदी ने कहा प्रदेश के विकास को योगी सरकार ही आगे बढ़ा सकते हैं। जब से योगीजी ने सत्ता संभाली है, तब से प्रदेश लगातार विकास के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने कहा आज प्रदेश को योगी जैसे नेता की जरूरत है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

पार्थ ने गिरफ्तारी से पहले ममता बनर्जी को 4 बार किया था फोन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। क्या पार्थ चटर्जी को अहसास हो गया था कि उन पर शिक्षक भर्ती घोटाले में शिकंजा कसने वाला है? क्या ममता बनर्जी से वह मदद मांगने के लिए फोन कर रहे थे? बताया जा रहा है कि शिक्षक भर्ती घोटाले में गिरफ्तार बंगाल सरकार के मंत्री पार्थ चटर्जी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को अपनी गिरफ्तारी से पहले चार बार फोन किया था। ममता ने उनका फोन रिसीव ही नहीं किया था। ऐसे में ईडी ने ममता के नाम का जिक्र अपनी कार्रवाई में किया है, जिसका तृणमूल कांग्रेस ने विरोध किया है।

जानकारी के अनुसार ईडी ने शनिवार को पूछताछ के बाद गिरफ्तारी की प्रक्रिया आगे बढ़ाई तो पार्थ चटर्जी ने ममता बनर्जी को चार बार फोन किया था, लेकिन काल रिसीव नहीं होने से बात नहीं हो सकी। इस बात का जिक्र ईडी ने अपनी कागजी कार्रवाई में किया है। इसी कारणवश ईडी के अरेस्ट मेमो में ममता बनर्जी का नाम व मोबाइल नंबर आया है। इसके बाद से ही पार्टी के अंदर काफी गुस्सा है। इसके अलावा एसएससी की ग्रुप डी की नियुक्तियों में हुए भ्रष्टाचार के मामले में भी पार्थ चटर्जी का नाम आया है।

तो अखिलेश ने राजभर के तलाक के कागज पर कर दिए हस्ताक्षर

गठबंधन में रहते हुए भी राजभर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कर रहे थे बड़ाई

» सपा के खिलाफ लगातार मुखर थे राजभर, आजम के खिलाफ भी कर रहे थे लगातार बयानबाजी

» बसपा व भाजपा के साथ राजभर की जाने की चर्चाएं

दिव्यभान श्रीवास्तव

अखिलेश का तलाक मंजूर, मैं किसी का गुलाम नहीं

ओपी राजभर ने हंसकर अखिलेश पर वार किए। कहा कि मैं किसी का गुलाम नहीं। बस दिक्कत ये है कि अखिलेश को वही लोग पसंद हैं जो उनकी हां में हां मिलाएं। ऐसे में मैं अखिलेश यादव के तलाक को कबूल करता हूं। इस तलाक के पीछे मौलाना संदीप भदौरिया, अरविंद सिंह और नरेश उत्तम पटेल समेत नौ रत्न हैं। ये वही लोग हैं जो अपना बूथ तक नहीं जिता सकते। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सपा किसी के साथ ज्यादा दिन नहीं रहती। ये न कांग्रेस के साथ ही टिक सके और न ही बसपा के साथ। अब हमें बाहर जाने को कह यह साफ कर दिया कि सपा पहले वाली पार्टी नहीं रही।

लखनऊ। यूपी चुनाव 2022 में शिवपाल सिंह यादव की प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया तथा सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी से समाजवादी पार्टी का अब मोहभंग हो गया है। सपा ने अलग-अलग पत्र जारी कर शिवपाल सिंह यादव तथा ओम प्रकाश राजभर को स्वतंत्र कर दिया है। समाजवादी पार्टी ने प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया के प्रमुख शिवपाल सिंह यादव और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर के नाम पत्र जारी किया है। पत्र में साफ-साफ कहा है कि आप कहीं भी जाने के लिए स्वतंत्र हैं। शिवपाल ने जवाब में धन्यवाद कहा, वहीं राजभर बोले, तलाक मंजूर है।

समाजवादी पार्टी द्वारा शिवपाल सिंह यादव के नाम जारी लेटर में लिखा गया है कि शिवपाल सिंह जी अगर आपको लगता है, कहीं आपको अधिक सम्मान मिलेगा तो वहां पर जाने के लिए आप स्वतंत्र हैं। शिवपाल सिंह यादव इटावा के जसवंतनगर से समाजवादी पार्टी के विधायक हैं। समाजवादी पार्टी के केंद्रीय कार्यालय से जारी पत्र की प्रतिलिपि राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव प्रोफेसर रामगोपाल यादव के साथ ही शिवपाल सिंह यादव तथा ओम प्रकाश राजभर को भी है। बता दें कि हर चुनाव में अलग-अलग रंग में दिखने वाले ओम प्रकाश राजभर को उत्तर प्रदेश की सरकार ने वाई श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की है। सुरक्षा मिलते ही ओम प्रकाश राजभर समाजवादी पार्टी के साथ तलाक की बात पर अधिक जोर देने लगे थे। पार्टी भी इस बात का इंतजार कर रही थी कि राजभर कब गठबंधन तोड़ेंगे। फिलहाल सपा ने ओमप्रकाश राजभर व शिवपाल यादव के नाम लेटर लिख दिया है कि जहां सम्मान मिले, वहां आप लोग जा सकते हैं। वहीं उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से वाई श्रेणी की सुरक्षा मिलने पर उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि प्रदेश में हमारे ऊपर कई बार हमले हुए, जिसको लेकर मैंने अपर मुख्य सचिव गृह को कई बार पत्र भी लिखा। इस कारण मुझे वाई श्रेणी की सुरक्षा मिली। यूपी चुनाव में सपा के साथ गठबंधन कर मैदान में उतरी सुभासपा ने छह सीट जीती है। इसमें पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर की गाजीपुर की जहूराबाद सीट भी है। अखिलेश के खिलाफ बगावती तेवर दिखाने वाले राजभर ने सपा के संस्थापक सदस्य आजम खां के खिलाफ भी खूब बयानबाजी की। यही नहीं राजभर ने बसपा के साथ जुड़ने पर कहा कि अभी बात नहीं हुई है। जब बात फाइनल हो जाएगी मैं सबको बता दूंगा। अभी मेरी शिवपाल यादव से बात नहीं हुई है। जैसे ही बात होगी मैं भविष्य की रणनीति बताऊंगा। राजभर ने कहा कि अभी तो दो ही लेटर जारी हुए हैं, 2024 का चुनाव आने दो फिर देखना कितने लेटर जारी होंगे। गौरतलब है कि बीते दिनों आजमगढ़ और रामपुर लोक सभा उपचुनाव में समाजवादी पार्टी की हार के बाद से राजभर सपा के खिलाफ मुखर हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि अल्पसंख्यक मतदाता अब समाजवादी पार्टी को अपना समर्थन नहीं दे रहे हैं। उन्होंने कहा था कि उपचुनाव के दौरान पार्टी के सेनापति एसी कमरे से बाहर नहीं निकले। उनका इशारा अखिलेश की तरफ था। सूत्र बताते हैं कि राजभर भाजपा की गलियों में अपना ठिकाना ढूढ़ रहे हैं। राजभर भाजपा को अपना सहारा बनाएंगे। शायद तभी वे लगातार अपने गठबंधन के नेता अखिलेश पर हमलावर हैं। आमजनों में भी चर्चा है कि सरकार द्वारा राजभर का ख्याल करना कहीं न कहीं आने वाले लोक सभा चुनाव को लेकर नया संकेत है।

औपचारिक स्वतंत्रता देने हेतु धन्यवाद : शिवपाल

शिवपाल ने ट्वीट के जरिए भतीजे अखिलेश पर पलटवार करते हुए लिखा मैं वैसे तो सदैव से ही स्वतंत्र था, लेकिन सपा द्वारा पत्र जारी कर मुझे औपचारिक स्वतंत्रता देने हेतु धन्यवाद। राजनीतिक यात्रा में सिद्धांतों एवं सम्मान से समझौता अस्वीकार्य है। इधर भाजपा ने तंज कसा है। प्रदेश प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने कहा कि सपा का मूल चरित्र ऐसा ही रहा है। जिसका भी हाथ पकड़ा, उसका हाथ झटक भी दिया है।

आज की सपा मुलायम सिंह यादव वाली नहीं

राजभर ने कहा अखिलेश यादव समेत सपा के सभी सेनापति इसके लिए दोषी हैं। 2022 के विधान सभा चुनाव से पहले सपा गाजीपुर में कभी सातों सीटें नहीं जीती। अंबेडकरनगर, आजमगढ़, मऊ, बलिया में इस बार जो परिणाम आया उसे देख लें, खुद पता चल जाएगा। 2017 में सपा और कांग्रेस साथ लड़ी थी लेकिन कुल 47 सीट पर सिमट कर रह गए थे। ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि मैं कोशिश नहीं करता तो इस बार भी इसी आंकड़े के आसपास सिमट कर रह जाते। उन्होंने कहा कि सपा से अति पिछड़े और सामान्य वर्ग के वोटर कट गए हैं। पिछले 20 साल से तवज्जो नहीं मिलने से ये दूर हो गए। आज की सपा मुलायम सिंह यादव वाली नहीं है। इसमें काफी बदलाव आ गया है।

शिवपाल व राजभर को लिखा लेटर, अगर कहीं सम्मान मिल रहा तो आप जाने के लिए स्वतंत्र

प्रसपा मुखिया शिवपाल सिंह यादव ने दो दिन पहले कहा था कि मेरी चिट्ठी के असर के चलते सपा में क्रॉस वोटिंग हुई। उनकी यह बात अखिलेश यादव को नागवार गुजरी। उन्होंने शिवपाल यादव को लेटर लिखा है कि अगर आपको लगता है कि कहीं ज्यादा सम्मान मिलेगा तो आप जा सकते हैं। आप स्वतंत्र हैं। यही नहीं, सपा मुखिया ने राजभर को भी शिवपाल के जैसा पत्र लिखा कि सपा लगातार भाजपा के खिलाफ लड़ रही है। आपका भाजपा के साथ गठजोड़ है और लगातार भाजपा की मजबूती के लिए काम कर रहे हैं। ऐसे में अगर आपको लगता है कि वहां ज्यादा सम्मान मिलेगा तो आप जा सकते हैं। गौरतलब है कि नेताजी के बारे में यशवंत सिन्हा के एक पुराने बयान को लेकर शिवपाल ने सपा विधायकों से अपील की थी कि सपा के कट्टर नेता, नेताजी के सिद्धांतों का पालन करने वाले ऐसे आरोप लगाने वाले उम्मीदवार का कभी समर्थन नहीं करेंगे। उन्होंने अखिलेश यादव को भी अपने फैसले पर विचार करने के लिए कहा था।

लोक सभा चुनाव की तैयारियों में जुटी कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जोश भरने को प्लान तैयार

» अक्टूबर में शुरू करेगी 'भारत जोड़ो यात्रा' अभियान, जनता से सीधे करेगी संवाद

» मोदी सरकार की खामियों को करेगी उजागर, दिग्गज नेता और पदाधिकारी संभालेंगे कमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तीन ग्रुप का किया गठन

कांग्रेस ने 'भारत जोड़ो यात्रा' को सफल बनाने के लिए तीन ग्रुप का गठन किया है। इनमें पॉलिटिकल अफेयर ग्रुप, टास्क फोर्स-2024 और सेंट्रल प्लानिंग ग्रुप शामिल हैं। दो अक्टूबर से प्रस्तावित 'भारत जोड़ो यात्रा' के कॉर्डिनेशन के लिए 9 सदस्यीय केंद्रीय योजना समूह का भी गठन किया गया है।

लखनऊ। पांच राज्यों के विधान सभा चुनाव में मिली करारी शिकस्त के बाद कांग्रेस की नजर अब लोक सभा चुनाव पर टिक गयी है। भाजपा को सत्ता से बाहर करने के लिए कांग्रेस ने नयी रणनीति तैयार की है। वह भारत जोड़ो यात्रा अभियान के जरिए देश के कई राज्यों में पहुंचेगी और कार्यकर्ताओं में जोश भरने की कोशिश करेगी। इस अभियान के दौरान पार्टी पदाधिकारी और नेता जनता से सीधे संवाद भी करेंगे और मोदी सरकार की खामियों को उजागर करेंगे।

'भारत जोड़ो यात्रा' 2 अक्टूबर 2022 से शुरू होना प्रस्तावित है। इसके जरिए कांग्रेस ने मोदी सरकार की खामियों को उजागर करेगी। 'भारत जोड़ो यात्रा' लगभग 12 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों से होते हुए करीबन 3500 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। यह सारी दूरी पदयात्रा के रूप में तय की जाएगी। इस पद यात्रा में कांग्रेस पार्टी का पूरा नेतृत्व और कार्यकर्ता भाग लेंगे। देश के कोने-कोने से कई अन्य यात्राएं इस पदयात्रा में शामिल होंगी। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि सरकार का ध्यान विभाजनकारी राजनीति की अपेक्षा करोड़ों युवाओं को उत्पादक रोजगार प्रदान करने, हमारे करोड़ों परिवारों को आवश्यक वस्तुओं में हो रही असहनीय मूल्य वृद्धि से निजात दिलाने, किसान और खेत मजदूर का कल्याण और सुख-सुविधा सुनिश्चित करने तथा करोड़ों आदिवासियों, दलितों एवं समाज के अन्य कमजोर वर्गों की आजीविका और सम्मान की रक्षा के लिए हमारे जल जंगल और जमीन की रक्षा करना होना चाहिए लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। इसके अलावा कांग्रेस समान विचारधारा वाले राजनीतिक दलों, नागरिक समाज समूहों, व्यापारिक और व्यावसायिक संघों और उपरोक्त उद्देश्यों के प्रति प्रतिबद्ध भारतीयों से भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने की अपील की है। कांग्रेस को उम्मीद है कि इससे देश में पार्टी के पक्ष में माहौल बनेगा और इसका फायदा उसे लोक सभा चुनाव और अन्य राज्यों में होने वाले विधान सभा चुनाव में मिलेगा। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि भारत जोड़ो अभियान से कांग्रेस को संजीवनी मिलती है या नहीं।

यूपी कांग्रेस अध्यक्ष नहीं खोज पायी पार्टी

विधान सभा चुनाव परिणामों के आने के करीब चार महीने बाद भी कांग्रेस नेतृत्व यूपी को नया प्रदेश अध्यक्ष नहीं दे पायी है। विधान सभा चुनाव नतीजे आने के बाद पार्टी के पांच राज्यों के अध्यक्षों ने अपना इस्तीफा सौंपा था, उनमें से चार राज्यों को नया अध्यक्ष मिल गया लेकिन महासचिव प्रियंका गांधी अपने प्रभार वाले राज्य का अध्यक्ष नहीं तय कर पा रही हैं। प्रियंका ने भी अब मान लिया है कि जिस फार्मूले से उन्होंने यूपी में संगठन का ताना-बाना बुनना चाहा था और उम्र का बैरियर लगाकर नई शुरुआत की कोशिश की, वह पूरी तरह फेल हुई। अजय सिंह लल्लू के नेतृत्व में कांग्रेस सड़कों पर संघर्ष करती तो दिखी लेकिन नतीजों में और पिछड़ गई। फार्मूले में फिट न बैठने वाले नेता पार्टी छोड़कर चले गए। इस बार अध्यक्ष की कमान सौंपने के लिए अनुभवी नेताओं के कंधे खोजे जा रहे हैं, लेकिन अभी तक कोई संभालने का तैयार नहीं हुआ है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

रूस-यूक्रेन समझौता और भारत

युद्धरत रूस-यूक्रेन के बीच अनाज विशेषकर गेहूं की सप्लाई को लेकर अहम समझौता हुआ है। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन और संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस की मौजूदगी में दोनों देशों के अधिकारियों के बीच काला सागर बंदरगाह से अनाज निर्यात को लेकर यह समझौता किया गया। यह 120 दिनों के लिए है और ऑटोमैटिक तरीके से रिन्यू होता रहेगा। सवाल यह है कि इस समझौते का महंगाई और खाद्य आपूर्ति से जूझ रही दुनिया पर क्या असर पड़ेगा? क्या भारत को भी इसका लाभ मिलेगा? क्या निकट भविष्य में रूस-यूक्रेन संबंध सामान्य हो सकेंगे? क्या यूक्रेन की ध्वस्त हो चुकी अर्थव्यवस्था को समझौते से संजीवनी मिल सकेगी? क्या बढ़ते वैश्विक दबाव के कारण रूस को यह समझौता करना पड़ा? क्या पलायन कर चुके यूक्रेनी किसान अगली फसल बोने के लिए अपने देश लौटेंगे? समझौते के टेबल पर पहुंच चुके रूस-यूक्रेन के बीच क्या कोई नयी डील होगी?

सवाल यह है कि इस समझौते का महंगाई और खाद्य आपूर्ति से जूझ रही दुनिया पर क्या असर पड़ेगा? क्या भारत को भी इसका लाभ मिलेगा? क्या निकट भविष्य में रूस-यूक्रेन संबंध सामान्य हो सकेंगे? क्या यूक्रेन की ध्वस्त हो चुकी अर्थव्यवस्था को समझौते से संजीवनी मिल सकेगी?

पिछले पांच महीने से रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध जारी है। इसने यूक्रेन को तबाह कर दिया है। युद्ध ने पूरी दुनिया पर असर डाला है। तेल की कीमतों में तेजी से उछाल आने के कारण दुनिया के तमाम देशों में महंगाई रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गयी है। रूस ने काला सागर में नाकाबंदी कर दी है। इससे दर्जनों जहाज फंस गए और 20 मिलियन टन अनाज फंस गया। वहीं रूस पर पश्चिमी देशों ने जबरदस्त प्रतिबंध लगा दिए हैं। नतीजतन यूक्रेन के साथ रूस से निर्यात में भी कमी आई। ऐसे में खाद्य पदार्थों की महंगाई सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गयी। दोनों देशों से दुनिया की गेहूं की 24 फीसदी जरूरतें पूरी होती हैं। दुनिया की 57 फीसदी सुरजमुखी तेल की जरूरत भी रूस-यूक्रेन पूरी करते हैं। ये दुनिया के 14 फीसदी भुट्टे का निर्यात भी करते हैं। युद्ध के कारण रूस-यूक्रेन निर्यात में बुरी तरह पिछड़ गए और कई देशों में इन खाद्य पदार्थों की कमी पैदा हो गई है। समझौते से अनाज की कीमतें थमेंगी। यूक्रेन-रूस की अर्थव्यवस्था में सुधार आएगा। भारत को भी फायदा मिलेगा क्योंकि यूक्रेन से गेहूं निर्यात न होने पर भारत से गेहूं दूसरे देशों को भेजा जा रहा था। इसके कारण देश में आटा की कीमतों बढ़ीं। इस साल आटा औसतन 8 फीसदी महंगा हुआ। बिस्किट व नूडल्स के दाम बढ़े हैं। अब इस डील से भारत में आटा और उससे बनी चीजें सस्ती हो सकती हैं। हालांकि यह व्यवस्था तभी बरकरार रह पाएगी जब दोनों देशों के बीच शांति कायम हो क्योंकि युद्ध में यूक्रेन के अधिकांश किसान पलायन कर चुके हैं और खेती-बाड़ी बंद है। ऐसे में भंडार में रखे अनाज के निर्यात के बाद फिर वैसी ही स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

राष्ट्रपति चुनाव में कमजोर हुआ विपक्ष

नीरजा चौधरी

राष्ट्रपति चुनाव में मतदान के दौरान अनेक राज्यों में कांग्रेस समेत कुछ विपक्षी दलों के विधायकों ने एनडीए उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू के पक्ष में वोट डाला है। पहले से विभाजित विपक्ष के लिए यह बड़ा झटका है। इसको ठीक से समझने के लिए हमें भाजपा और विपक्ष की रणनीतियों को देखना होगा। भाजपा ने बहुत सधे अंदाज में अपना दांव खेला जबकि विपक्ष ने देर की। विपक्ष की ओर से ममता बनर्जी ने बैठक बुलायी और विचार-विमर्श शुरू हुआ। प्रारंभिक दौर में शरद पवार, फारूक अब्दुल्ला और गोपाल कृष्ण गांधी के नाम आये पर तीनों ने उम्मीदवार बनने से मना कर दिया। इससे संकेत गया कि कोई विपक्ष की ओर से खड़ा ही नहीं होना चाहता। आखिरकार यशवंत सिन्हा का नाम सामने आया।

किसी को भी यह अंदाजा नहीं था कि द्रौपदी मुर्मू भाजपा की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार होंगी। यह भी विपक्ष की एक विफलता है। आज सरकार में शामिल लोगों को पता है कि विपक्ष के भीतर क्या विचार-विमर्श चल रहा है लेकिन विपक्ष को कोई भनक नहीं लग सकी। राजनीति में सामने खड़ी शक्ति के बारे में जानकारी रखना जरूरी होता है तभी तो ठोस रणनीति बनती है। भाजपा ने मुर्मू की उम्मीदवारी से बड़ा तीर मारा है. देश के सर्वोच्च पद पर एक आदिवासी महिला का आसीन होना एक बहुत बड़ा संकेत है। पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत के साथ हिंदी पट्टी और पश्चिमी भारत में यह तबका राजनीतिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण है। इनमें कई इलाकों में भाजपा का व्यापक वर्चस्व है लेकिन स्वाभाविक रूप से दस साल की सत्ता के बाद कुछ एंटी-इनकंबेंसी तो होगी ही। उसकी भरपाई के लिए जनाधार में नये तबकों को लाना जरूरी है। इस संबंध में यह रणनीति अपनायी गयी। यह भी उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ बहुत लंबे समय से आदिवासी समुदायों के बीच सक्रिय है। भाजपा की रणनीति का दूसरा पहलू था पूर्वी भारत में गैर-भाजपा सरकारों को कमजोर करना। भाजपा की नजरें दक्षिण भारत के साथ पूर्वी भारत पर भी हैं। पूर्वी भारत के तीन राज्यों- पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड में आदिवासी समुदाय में संथाल जनजाति की बड़ी संख्या है। द्रौपदी मुर्मू इसी जनजाति से आती हैं। वे ओडिशा से भी हैं। बंगाल के संथाल बहुल इलाकों में ममता बनर्जी का बड़ा जनाधार है। वह पकड़ अब धीरे-धीरे

कमजोर होगी। भाजपा ने आदिवासी समुदाय में आकांक्षा व आत्मविश्वास का संचार किया है। जब मुर्मू का नाम सामने आया तब ममता बनर्जी ने कहा कि अगर भाजपा इनके नाम पर सर्वसम्मति बनाने का प्रयास करती, तो विपक्ष मान जाता।

बनर्जी के लिए मुर्मू का विरोध करना एक मुश्किल मामला था। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने शुरू में ही कह दिया था कि वे भाजपा उम्मीदवार का समर्थन करेंगे। झारखंड में भी सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा को द्रौपदी मुर्मू का समर्थन करना पड़ा। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे पर भी दबाव पड़ा। उत्तरी महाराष्ट्र में बड़ी तादाद में आदिवासी हैं। साथ ही शिव सेना के अधिकतर सांसद भाजपा के साथ जाने के लिए इच्छुक थे। कुछ अन्य छोटी पार्टियों ने भी मुर्मू को समर्थन दे दिया। ऐसे में यह साफ हो गया कि विपक्ष में एकजुटता नहीं है। यह भी संकेत मिल गया कि यशवंत सिन्हा को समर्थन दे रही पार्टियों के आदिवासी विधायक मुर्मू के पक्ष में मतदान कर सकते हैं। आदिवासी विधायकों के अलावा विपक्ष के कुछ वोट मुर्मू को मिले हैं। इस चुनाव में विपक्ष 2024 के आम चुनाव के मद्देनजर अपनी एकता को विस्तार दे सकता था।

भले ही मजबूत एकता के बाद भी यशवंत सिन्हा या विपक्ष का कोई उम्मीदवार जीत नहीं पाता, लेकिन भाजपा उम्मीदवार को अच्छी टक्कर दे सकते थे। विपक्ष यह तो देश की जनता को दिखा ही सकता था कि उसमें एकताबद्ध होने की क्षमता व संभावना है लेकिन आज विपक्ष पूरी तरह से बिखरा दिखा। उपराष्ट्रपति चुनाव में भाजपा और उसके सहयोगी दलों का पलड़ा बहुत भारी है पर यहां विपक्ष के लिए एक मौका था लेकिन तृणमूल कांग्रेस ने इस चुनाव में भाग न लेने का ऐलान कर विपक्षी एकता को बड़ा झटका दिया है। भाजपा ने जगदीप धनखड़ को अपना उम्मीदवार बनाकर जाट समुदाय के एक बड़े हिस्से को अपने पाले में लाने की कोशिश की है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान में भाजपा की बढ़त के लिए जरूरी है कि जाट उसके पीछे लामबंद हों। राजस्थान पर भाजपा की नजरें टिकी हुई हैं। धनखड़ इसी राज्य से आते हैं। इस चुनाव में भी विपक्ष ने सोच-विचार के साथ उम्मीदवार नहीं उतारा है। मार्गरेट अल्वा अनुभवी राजनेता हैं, पर वे लंबे समय से सक्रिय नहीं रही हैं।

समावेशी प्रयासों से ही रुकेगी तबाही

एसपी वासुदेवा

युगों-युगों से बादल फटने की प्राकृतिक घटनाएं घाटियों, छोटी नदियों-नालों के निर्माण में अपनी भूमिका निभाती आ रही हैं। प्रकृति से मानवजनित खिलवाड़ और अतिक्रमण के कारण ये घातक होते चले गए। बादल फटने की आवृति और तीव्रता में बढ़ोतरी के पीछे मौसम परिवर्तन मुख्य कारक है। 2013 में केदारनाथ में बादल फटने से बड़ी जनहानि और करोड़ों रुपये मूल्य की जमीन-जायदाद का नुकसान हुआ था। कुछ दिन पहले अमरनाथ गुफा की ठीक बगल में बादल फटने से भी काफी नुकसान हुआ है। जुलाई, 2005 में मुंबई में बादल फटने से शहर की गतिविधियां थम गई थीं, सैकड़ों लोगों की जान गई और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा था।

भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, जब एक छोटे क्षेत्र में वर्षा-वृष्टि की मात्रा 10 सेंटीमीटर प्रति घंटा दर्ज हो तो उसे बादल-फटना कहा जाता है। तथापि, बादल फटने पर अनेकानेक प्रबंधनों, राहत और जोखिम घटाने के लिहाज से 10 से.मी. प्रतिघंटा से कम तीव्रता वाली बारिश को भी बादल फटने की श्रेणी में रखा जा सकता है। जिस तरह बादल फटने की आवृति ने खतरनाक अनुपात धारण कर लिया है, उनका रणनीतिक प्रबंधन बेहतर करने की जरूरत है। आज की तारीख तक, घटना होने के बाद मुख्य जोर बचाव कार्य, निकासी और राहत उपायों पर केंद्रित होता आया है जबकि आपदा प्रबंधन संहिता यानी तैयारी, प्रतिक्रिया, उबरना और राहत पर काम किया जाना चाहिए, जिसके तहत घटना से पहले वाले आरंभिक संकेत भांपकर चेतावनी, राहत और जोखिम घटाने के उपाय शुरू किए जाने पर बल है। आपदा-उपरांत आकलन के अध्ययन दर्शाते हैं कि इस किस्म के विपत्ति-पूर्व उपाय करना सुरक्षित, आर्थिक रूप से व्यावहारिक और फायदेमंद रहते हैं। जिन जगहों पर बादल फटने की संभावना अधिक है उनकी शिनाख्त और जोखिम मानचित्रण करके, इन जगहों पर प्रबंधन कार्य पहले ही शुरू किया जा सकता है। वास्तविक समय में बादल फटने की पूर्व चेतावनी देना वाला तंत्र अभी तक विकसित नहीं हो पाया है। डॉपलर राडार, जो मौसम में अप्रत्याशित बदलावों का पूर्वानुमान 3 से 6 घंटे पहले लगा लेते हैं, बादल फटने की पूर्व-चेतावनी में सहायक हो सकते हैं। यह प्रणाली पश्चिमी और पूरबी हिमालयी पर्वतों के अलावा मैदानों में भी कुछ जगहों पर स्थापित की जा चुकी है, जिनकी गिनती फिलहाल 33 है। भारी बारिश या बर्फबारी से संबंधित बहु-आपदा पूर्व-चेतावनी तंत्र में निरंतर बढ़ते उपयोग से इनकी उपस्थिति बढ़ती जा रही है। केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान विभाग इन्हें और उन्नत करवाकर संख्या 90 करना चाहता है ताकि भारी बारिश एवं बादल फटने का पूर्वानुमान कम से कम दो दिन पहले लगाने में मदद मिले और समय रहते इंसान-पशुधन-कीमती सामान हटाया जा सके। वर्षा ऋतु से पहले इंसानी और पशुधन का जानी नुकसान कम से कम हो, यह सुनिश्चित करने की खातिर हर साल पूर्व तैयारी करना एक अच्छी रिवायत की शुरुआत हो सकती है। यह कदम बादल फटने का जोखिम घटाने में आधा काम पूरा कर देंगे।

राहत उपाय जैसे कि लोगों-पशुओं को घाटी से निकालकर सुरक्षित ऊंचाई पर पहुंचाना, बुनियादी ढांचे की उसारी, नदी-नालों से परे हटकर और बाढ़-सतह से ऊपर घर एवं व्यावसायिक भवन निर्माण, बरसाती एवं बाढ़ जल के बेहतर निस्तारण-प्रबंधन से आपदा जनित हानि न्यूनतम की जा सकती है। ढलानों से आने वाले पानी के बहाव का प्रबंधन, जो पर्वतीय बृहद परिदृश्य को स्थायित्व दे और भू-स्खलन, अचानक उफानी वेग, गाद प्रवाह और जमीन धंसने जैसी घटनाएं रोकने में मददगार हो, वह अपनाने की जरूरत है। यह रणनीतिक उपाय पहले उन जगहों पर क्रियान्वित किए जाएं, जहां विपत्ति आने की संभावना सबसे अधिक हो। इसी तर्ज पर मैदानों में भी, बरसाती पानी का निर्बाध प्रवाह अत्यधिक वर्षा एवं बादल फटने पर इंसानी, पशु और ढांचों की ज्यादा हानि रोक सकता है। पंचायती राज निकायों के स्रोतों की क्षमता और काबिलियत, आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, गैर-सरकारी संस्थान और समुदायों को साथ जोड़कर, अचानक बाढ़ और बादल फटने के बाद वाले राहत प्रबंधनों को लगातार सुधारा और सुदृढ़ किया जा सकता है। भारी बरसात और बादल फटने के बाद उभरने वाले छूत के रोगों से भी निपटना जरूरी है। यदि पूर्व-आपदा तैयारी के बाद भी बादल फटता है तब प्रतिक्रिया और बचाव कार्य करना एक आवश्यकता है। किसी भी आपदा से निपटने में केंद्रीय सरकार का राष्ट्रीय और राज्यों के आपदा प्रतिक्रिया बल और भारतीय सशस्त्र बल विश्वभर के सर्वश्रेष्ठ आपदा-सहायता तंत्रों में एक माने जाते हैं। फंसे लोगों और पशुओं को अपने परिष्कृत उपकरणों के साथ ढूंढ़ निकालने और डूबते लोगों को बचाने वाले प्रशिक्षित गोताखोरों के साथ यह बल समय रहते पूर्व-चेतावनी मिलने पर आपदा से पहले इंसान-पशुओं को सुरक्षित जगह पंहुचाने और विपत्ति के बाद वाले समय में लोगों-जीवों को बचाते हैं। जहां कहीं आपदा राहत राशि आवंटन का कंप्यूटरीकरण होना बाकी है, उसे पूरा किया जाए ताकि जरूरतमंदों को धन तुरंत मिल पाए। विपत्ति-उपरांत जटिलताएं रोकने के लिए फौरी राहत के तौर पर भोजन, पानी, दवाएं मुहैया करवाने की जरूरत होती है। सतत आजीविका पुनः बनाने और लोगों का जीवन सामान्य करने हेतु पुनर्वास अभियानों का क्रियान्वयन किया जाए। जहां कहीं हानि बहुत ज्यादा मात्रा में हो, पुनर्निर्माण एवं पुनर्वास युद्ध स्तर पर करने होते हैं। यह तमाम गतिविधियां आखिरी व्यक्ति तक पहुंचे।

अपने शानदार मंदिरों के लिए फेमस है खजुराहो

खजुराहो मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड में स्थित एक बहुत ही खास पर्यटन स्थल है, जो अपने प्राचीन धरोहरों और मध्यकालीन मंदिरों के लिए जाना जाता है। खजुराहो अपने मंदिरों की बाहरी दीवारों में बनी कामुक मूर्ति और नक्काशी के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। यहां देश-विदेश से लोग प्राचीन विरासत, संस्कृति और इसकी खूबसूरती को देखने के लिए आते हैं। इसके चलते खजुराहो ने यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की सूची में अपना स्थान बनाया है।

बारिश के मौसम में बढ़ जाती है खूबसूरती

खजुराहो की घूमने का सही समय वैसे तो अक्टूबर से मार्च तक का है, लेकिन बारिश के दिनों में यहां की सुंदरता देखने लायक बनती है। छतरपुर के पास बसे खजुराहो मानसून के सीजन और भी हरा-भरा हो जाता है, जो देखने में बेहद खूबसूरत और मनमोहक लगता है। खजुराहो अपने 1000 साल से अधिक पुराने हिंदू और जैन मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है, जिनका निर्माण चंदेल वंश ने करवाया गया था। खजुराहो के पर्यटन में प्रमुख यहां के मंदिर है, जहां पत्थरों पर खुदाई करके बलुआ पत्थर से मूर्तियों को तैयार किया गया था।

ऐसे पहुंच सकते हैं खजुराहो

खजुराहो मध्य प्रदेश के छतरपुर में पास बसा है। यहां झांसी या वाराणसी से ट्रेन के जरिये पहुंचा जा सकता है। इसके अलावा आप यहां नई दिल्ली, वाराणसी, मुंबई और भोपाल से हवाई जहाज के जरिये पहुंच सकते हैं। खजुराहो में टू स्टार से लेकर फाइव स्टार तक होटल हैं। यहां आपको 1500 रुपये से लेकर 5000 रुपये में अच्छे फैमिली बेडरूम मिल जाएंगे।

इन जगहों पर कर सकते हैं सैर

खजुराहो देखने के बाद आप पन्ना राष्ट्रीय उद्यान पार्क देख सकते हैं, जो मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में स्थित है, और यह खजुराहो बस स्टैंड से 50 किमी दूर स्थित है। यदि आपको प्रकृति और जंगली जानवर से प्रेम है तो आपके लिए पन्ना राष्ट्रीय उद्यान खजुराहो के पास वन्य जीवन के अनुभव का आनंद लेने के लिए एक आदर्श स्थान है। यह जगह बाघों के लिए मशहूर है जिन्हें सफारी ट्रिप के दौरान आसानी से देखा जा सकता है।

हंसना मना है

लड़का: मैं तुम्हारे साथ शादी नहीं कर सकता, घर वाले नहीं मान रहे हैं! लड़की: तुम्हारे घर मैं कौन-कौन हैं? लड़का: एक पत्नी और दो बच्चे!

चिंटू: बताओ मंकी को हिंदी में क्या बोलते हैं? बच्चा: बंदर चिंटू: किताब से देख कर बोला है न? बच्चा: नहीं, मैंने तो आपको देख कर बोला है...

पप्पू: यार ये शादी का क्या मतलब होता है? गप्पू: धूमधाम से खुद की सुपारी देना।

ससुर: तुम दारू पियत होक बहु बताये नाही...!! दामाद: तुम्हार लड़की खून पियत है, तुम बताए थे का...!!

चिंटू: ये समझदार पत्नियां कैसी होती हैं? पिंटू: समझदार पत्नी वही होती है जो अपने पति का खर्चा करवाकर उसकी हालत ऐसी कर दे कि वो दूसरी औरत के बारे में सोचना ही छोड़ दे!

पत्नी: पति से (बड़े प्यार से): सुनिए, मेरी स्किन बहुत ऑयली-ऑयली सी हो गई है बताइए ना, मैं क्या लगाऊं? पति: ये लो विम बार, ये पूरी चिकनाई हटा देगा ! फिर क्या था पति पिछले 3 दिन से चुप है!

गोलू: दुनिया का सबसे बड़ा त्योहार कौन सा है? भोलू: घरवाली। गोलू: मतलब? भोलू: और क्या, हफ्ते में 3-4 बार तो मनाना ही पड़ता है।

कहानी — महान मर्कट

हिमवंत के निर्जन वन में कभी एक महान मर्कट रहा करता था। शीलवा, दयावान और एकांतप्रिय वह सदा ही फल-फूल और सात्विक आहार के साथ अपना जीवन- यापन करता था। एक दिन एक चरवाहा अपने जानवरों की खोज में रास्ता भूल उसी वन में भटक गया। भूख प्यास से व्याकुल जब उसने एक पेड़ की छांव में विश्राम करना आरम्भ किया तभी उसकी नजर फलों से लदे एक तिंदुक के पेड़ पर पड़ी। पलक झपकते ही वह उस पेड़ पर जा चढ़ा। भूख की तड़प में उसने यह भी नहीं देखा कि उस पेड़ की एक जड़ पथरीली पहाड़ी की एक पतली दरार से निकलती थी और उसके निकट एक झरना बहता था। शीघ्र ही वह रसीलों फलों से लदी एक शाखा पर पहुँच गया मगर वह शाखा उसके बोझ को संभाल न सकी और टूट कर बहते झरने में जा गिरी। चरवाहा भी उसी प्रपात में जा गिरा। बहते पानी के साथ फिर वह एक ऐसे खड्ड में जा फंसा, जहां की चिकनी चट्टानों को पकड़ कर उसका या किसी भी आदमी का बाहर आ पाना असंभव था। मृत्यु के भय से निकलती उस आदमी की चीखें उस निर्जन वन में गूंजने लगी। आदमी तो वहां कोई था भी नहीं जो उसकी पुकार सुन सके। हाँ, उसी वन में रहने वाले उस मर्कट ने उसके क्रंदन को अवश्य सुना। दौड़ता हुआ वह शीघ्र ही वहां पहुंचा और आनन-फानन में कूदता हुआ उस खड्ड में पहुंच कर उस आदमी को खींचता हुआ बड़ी मुश्किल से झरने के बाहर ले आया। आदमी के बोझ से उसके अंग-प्रत्यंग में असीम पीड़ा हो रही थी। वह बेहोशी की हालत में था और विश्राम के लिए सोना चाहता था। इसी उद्देश्य से उसने आदमी को अपने पास बैठ रखवाली करने को कहा, क्योंकि उस वन में अनेक हिंस्त्र पशु भी विचरते थे। जैसे ही मर्कट गहरी नींद में सोया, वह आदमी उठकर एक बड़ा-सा पत्थर उठा लाया क्योंकि वह सोच रहा था कि उस मर्कट के मांस से ही वह अपना निर्वाह कर सकेगा। ऐसा सोचकर उसने उस पत्थर को मर्कट के ऊपर पटक दिया। पत्थर मर्कट पर गिरा तो जरुर मगर इतनी क्षति नहीं पहुँचा सका कि तत्काल हो उसकी मृत्यु हो सके। असह्य पीड़ा से कराहते मर्कट ने जब अपनी आँखें खोली और अपने ऊपर गिरे पत्थर और उस आदमी की भंगिमाओं को देखा तो उसने क्षण में ही सारी बातें जान ली। आवाज में उसने उस आदमी को यह कहते हुए धिक्कारा ओ आदमी ! जाता था तू दूसरी दुनिया को; आ गया मगर वापिस उस काल के गाल से; अब एक गर्त से निकल; तू है अब दूसरे गर्त गिरा; होता है जो और भी भयंकर; धिक्कार है तुम्हारे उस अज्ञान को; जिसने है दिखलाया तुम्हें यह क्रूरता और पाप भरा मार्ग; है वह सिर्फ तुम्हारा मोड़; जिसने दिखलाया है तुम्हें; झूठी आशाओं के छलावे को; नहीं देते मेरे घाव मुझे उतनी पीड़ा जितना है यह विचार- कि मेरे ही कारण अब तुम गिरे हो ऐसी गर्त में निकाल नहीं सकता तुम्हें वहां से मैं या कोई कभी। घायल महान् मर्कट ने फिर भी उस व्यक्ति को उस वन से बाहर निकाल दिया। कालान्तर में वह चरवाहा कुष्ठ रोग का शिकार हुआ। तब उसके सगे संबंधी व गांव वाले घर और गांव से निर्वासित कर दिये कही और शरण ना पाए वह फिर से उसी वन में निवास करने लगा। उसके कर्मों की परिणति कुष्ठ रोग में हो चुकी थी, जिससे उसका शरीर गल रहा था; और पश्चाताप की अग्नि में उसका मन ! काश ! उसने वह कुकर्म न किया होता !

5 अंतर खोजें

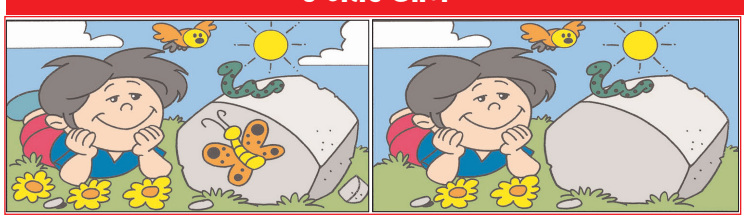

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — आज आपकी इच्छाएं पूरी हो सकती हैं। व्यावसायिक सन्दर्भ में महत्वाकांक्षी योजनाएं शुरू की जा सकती हैं। अगर आप उच्च अध्ययन या नौकरी के लिए विदेश जाना चाहते हैं, तो आप निराश नहीं होंगे।

वृषभ — बड़ा फैसला लेने से बचना चाहिए। व्यापार में धीमी गति से आपको थोड़ी परेशानी हो सकती है। आपके कुछ काम आज अटक सकते हैं, लेकिन जीवनसाथी की मदद से सब कुछ ठीक भी हो सकता है।

मिथुन — किसी बड़े बिजनेस ग्रुप से आपकी पार्टनरशिप हो सकती है। रोजगार से संबंधित सुखद समाचार प्राप्त होगा और अपनी योग्यता को विकसित करने से लाभ होगा।

कर्क — पुराने किए हुए कामों से फायदा हो सकता है। पुराना दोस्त भी अचानक काम आ सकता है। किसी धार्मिक यात्रा की योजना बना सकते हैं। जो भी काम आपके लिए खास हैं, वो आज ही निपटा लें।

सिंह — आज आपके लिए अनावश्यक क्रोध से बचना श्रेयकर रहेगा। हालांकि आर्थिक तनाव रहेगा, परन्तु क्रोध से वह समाप्त नहीं होगा, बल्कि उसका समाधान निकालना और अधिक कठिन हो जाएगा।

कन्या — आज आपकी कल्पना शक्ति आपके लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायता करेगी। आप पहले से ज्यादा बेहतर ढंग से अपने काम को पूरा करेंगे। आपको परिवार का पूरा सपोर्ट मिलेगा।

तुला — नया करने की आदत सफलता दिलाएगी। आज आप अपनी संतान के भविष्य से संबंधित किसी अहम मुद्दे पर अपने माता-पिता से बातचीत कर सकते हैं, जिसमें जीवनसाथी की सलाह की भी आवश्यकता होगी।

वृश्चिक — आज आप कोई अनबन या उलझा हुआ मामला सुलझाने की कोशिश कर सकते हैं। इसमें सफलता मिलने के भी योग हैं। पुरानी बातें छोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश करें।

धनु — व्यवसायिक दृष्टिकोण से आज का दिन शुभ है। नौकरीपेशा जातकों को तरक्की या बेहतरी मिलेगी। कुछ के वांछित स्थानांतरण भी हो सकता है। व्यवसायी और उद्यमी अच्छी प्रगति करेंगे।

मकर — आज आप परिवार वालों के साथ किसी धार्मिक स्थल की यात्रा कर सकते हैं। किसी काम को शुरू करने से पहले अपने ईष्टदेव का आशीर्वाद लें, आपको फायदा जरूर होगा।

कुम्भ — इस राशि के कारोबारियों को उम्मीद से अधिक लाभ होगा। ऑफिस में आपको अपनी राय रखने का पूरा मौका मिलेगा। कार्यस्थल पर सहकर्मियों से सामंजस्य बढ़ाएं।

मीन — ज्यादातर काम पूरे हो सकते हैं। फायदा मिल सकता है। दोस्तों के साथ कोई कार्यक्रम भी बन सकता है। पैसों की स्थिति में सुधार करने की कोशिश करें। कोई बड़ा फैसला आज आप ले सकते हैं।

रणवीर सिंह की फोटोज पर दीपिका हुई फायर

रणवीर सिंह इन दिनों अपने नए फोटोशूट को लेकर सुर्खियों में हैं। फैंस से लेकर बॉलीवुड सेलेब्स तक रणवीर के इस फोटोशूट पर रिएक्ट कर रहे हैं। अब हाल ही में एक्टर की पत्नी और एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण का रिएक्शन सामने आया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक दीपिका, रणवीर के फोटोज को देखकर काफी इम्प्रेस हुई थीं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, करीबी सूत्र ने बताया कि रणवीर के फोटोशूट से दीपिका काफी इम्प्रेस हुई थीं। एक्ट्रेस को इसके बारे में पहले से ही पता था और उन्हें इस फोटोशूट का कॉन्सेप्ट बेहद पसंद भी आया था। इंटरनेट पर फोटोज पोस्ट करने से पहले दीपिका को दिखाई गई थीं। सूत्र ने आगे कहा, दीपिका ने रणवीर को हमेशा सपोर्ट किया है और वो उनकी सबसे बड़ी चीयर लीडर रही हैं। तो जब भी कुछ सबसे अलग करने की बात आती है, दीपिका उनका साथ देने से पीछे नहीं हटती हैं। प्रियंका चोपड़ा ने भी रणवीर के फोटोशूट पर फायर इमोजी के साथ कमेंट किया, मेजर। वहीं लिली सिंह ने भी फायर इमोजी के साथ लिखा, मेजर विन। महीप कपूर और मनीष मल्होत्रा ने एक्टर की फोटोज पर फायर इमोजी शेयर किए हैं। मसाबा गुप्ता ने लिखा, बेस्ट कवर शूट जो इस देश ने शायद ही देखा हो।

रणवीर के इस फोटोशूट पर बंगाली एक्ट्रेस और टीएमसी सांसद मिमी चक्रवर्ती ने सवाल उठाए थे। उन्होंने ट्वीट कर लिखा था, रणवीर के इस फोटोशूट ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है। ज्यादातर लोग इस पर फायर इमोजी रिएक्ट कर रहे हैं। अगर ऐसा किसी लड़की ने किया होतो तो क्या तब भी लोग ऐसे ही उसकी तारीफ करते? या फिर अब तक उसका घर जल गया होता। उसे शर्मसार किया जाता और मौत की धमकी भी मिल चुकी होती।

रणवीर सिंह ने हाल ही में पेपर मैगजीन के लिए बिना कपड़ों के फोटोशूट करवाया था। रणवीर ने इस फोटोशूट के बारे में बात करते हुए कहा कि मेरे लिए फिजिकली नेकेड होना बहुत आसान है। मेरी कुछ परफॉर्मेंस में मुझे नेकेड किया गया है। आप उनमें मेरी आत्मा को देख सकते हैं। कितनी नेकेड है वो? मैं हजारों लोगों के सामने अपने सारे कपड़े उतार सकता हूं। मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, लेकिन वहां मौजूद लोग थोड़ा अनकम्फर्टेबल हो जाएंगे। रणवीर कपूर फिलहाल दो फिल्मों में बिजी हैं।

बॉलीवुड | मसाला

बॉलीवुड | मन की बात

दीपेश ने मौत से चंद घंटे पहले तक की थी शूटिंग

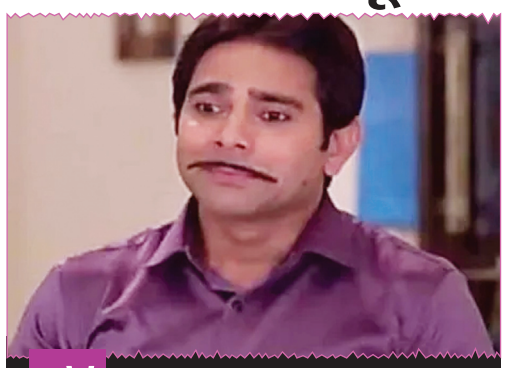

पॉपुलर टीवी शो भाभी जी घर पर हैं फेम मलखान सिंह उर्फ दीपेश भान का निधन हो गया है। उनके को-एक्टर रोहिताश गौर ने दैनिक भास्कर से खास बातचीत के दौरान बताया की दीपेश हमेशा से ही अपनी फिटनेस पर खास ध्यान देते थे। बता दे कि दीपेश ने शनिवार सुबह 23 जुलाई करीब 7 बजे अपनी अंतिम सांस ली। रोहिताश कहते हैं। दीपेश की मौत ने सिर्फ मुझे ही नहीं बल्कि सभी को हिलाकर रख दिया है। किसी को भी अब तक विश्वास नहीं हो रहा की दीपेश अब हमारे बीच नहीं रहा। ताज्जुब इस बात की है कि वो बेहद फिट व्यक्ति थे। अपनी फिटनेस पर वो बहुत ध्यान देते थे, उन्हें किसी भी तरह की कोई भी बीमारी नहीं थी। एक दिन भी वे जिम जाए बिना नहीं रहते थे। वही अपनी डाइट का भी बहुत ख्याल रखते थे। ऐसे फिट व्यक्ति का यूं इस तरह चले जाना, वाकई में हम सभी के लिए शॉकिंग है। रोहिताश ने बताया कि दीपेश का निधन आज सुबह क्रिकेट खेलने के दौरान हुआ। उन्होंने आगे बताया कि दीपेश हर दिन कोई-न-कोई फिजिकल एक्टिविटी से जुड़े रहते थे। जिम करने के बाद उन्हें कुछ देर क्रिकेट खेलना अच्छा लगता था। आज भी उन्होंने जिम करने के बाद अपनी सोसाइटी के कुछ दोस्तों के साथ क्रिकेट खेलने गए। खेल के दौरान वे जमीन पर गिर पड़े। उनके नाक से खून बह रहा था, उनके दोस्त तुरंत उन्हें अस्पताल ले गए। लेकिन तब तक उनका निधन हो चुका था। रोहिताश की माने तो आजकल लोग हिडन स्ट्रेस को नजरअंदाज कर रहे हैं। इस बारे में वे कहते है कि कोविड के बाद स्ट्रेस लेवल बहुत बढ़ गया है, खास तौर हम एक्टर्स का। जिनके पास काम है, वो भी स्ट्रेस में रहता हैं कि आगे चलकर क्या होगा। जिनके पास काम नहीं, वह भी परेशान है। हमारी इंडस्ट्री बहुत अस्थिर है, मुझे लगता हैं की ये हिडन स्ट्रेस किसी गंभीर बीमारी से कम नहीं।

नेशनल फिल्म अवॉर्ड- अजय देवगन और सूर्या बेस्ट एक्टर

68वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड की घोषणा हो गई है। इसमें तान्हाजी द अनसंग वॉरियर के लिए अजय देवगन को और सोरारई पोटरु के लिए साउथ स्टार सूर्या को बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड मिला। सोरारई पोटरु को पांच कैटेगरी में अवॉर्ड मिले। बेस्ट हिंदी फिल्म तुलसीदास जूनियर रही। सोरारई पोटरु की एक्ट्रेस अपर्णा बालमुरली को बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला है। सोरारई पोटरु एक ऐसे इंसान की कहानी है, जो आम आदमी को आसमान में उड़ाने का सपना देखता है। वह अपने परिवार, दोस्तों और जुनून की वजह से दुनिया की सबसे बड़ी इंडस्ट्री को अपने नाम कर लेता है। तमिल फिल्म सोरारई पोटरु ब्लॉकबस्टर हिट साबित हुई थी। इतना ही नहीं, इसे हॉलीवुड के 78वें गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड्स में बेस्ट फॉरेन फिल्म कैटेगरी में भी जगह मिली थी। फिल्म की कहानी कैप्टन गोपीनाथ की बायोग्राफी पर बेस्ड है। तुलसीदास जूनियर एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है, जिसमें एक 13 साल के लड़के की कहानी दिखाई गई है। एक लड़का जो स्कूर के खेल में अपने पिता की हार का बदला लेता है। इस फिल्म का निर्देशन मृदुल गुप्ता ने किया है। फिल्म में संजय दत्त, राजीव कपूर और वरुण बुद्धदेव ने लीड रोल प्ले किया है।

समुद्र के नीचे मिला शापित तालाब संपर्क में आते ही हो जाती है मौत!

समुद्र की दुनिया बहुत रहस्यमयी और रोमांचकारी होती है। समुद्र की दुनिया में ऐसे ऐसे जीव रहते हैं, जिनके बारे में कभी सुना भी नहीं होता। समुद्र की गहराइयों में कई राज दफन हैं। अब वैज्ञानिकों को समुद्र के अंदर एक शापित तालाब मिला है। यह तालाब बहुत खतरनाक है और यह इसके पास किसी भी तैरने वाले जीव या मनुष्य को मार देता है। 100 फीट लंबे इस तालाब को वैज्ञानिकों ने डेडपूल का नाम दिया है। स्थानीय लोगों के बीच यह शापित पूल के नाम से मशहूर है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वैज्ञानिकों ने लाल सागर के तल पर एक 100 फीट लंबे पूल की खोज की है। यह तालाब समुद्री जीवों और इंसानों के लिए बहुत खतरनाक है। बता दें कि लाल सागर में दुर्लभ नमकीन पूल बेहद नमकीन होते हैं। इस तालाब में ऑक्सीजन की मात्रा ना के बराबर है। यहां पर जाने का मतलब है अपनी मौत को बुलावा देना। डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, यह तालाब इतना जहरीला है कि इसमें अगर कोई जीव प्रवेश कर जाए तो उसकी तुरंत मौत हो जाएगी सैम पर्किंस नाम के प्रोफेसर ने यूनिवर्सिटी ऑफ मियामी के अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर इस पूल को खोजा है। टीम ने रिमोट संचालित पानी के नीचे चलने वाले वाहन (आरओवी) का उपयोग करके 1,770 मीटर की गहराई में स्थित पूल की खोज की है। प्रोफेसर पर्किन्स ने कहा, इस गहराई पर समुद्र तल पर आम तौर पर ज्यादा जीवन नहीं होता है। हालांकि, नमकीन पूल जीवन का एक समृद्ध नखलिस्तान हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि यहां सैलाइन की मात्रा ज्यादा है और ऑक्सीजन की मात्रा कम है, इस वजह से जैसे ही कोई जानवर उसमें जाता है, उसकी मौत हो जाती है। जानकारों ने बताया कि ये अंडरवॉटर ट्रैप जानवरों को तुंरत मार देते हैं और उनके शरीर को सड़ने भी नहीं देते। वैज्ञानिकों को एक केकड़ा दिखा था जिसे मरे 8 साल हो चुके थे मगर उसके सॉफ्ट टिशू उसके बावजूद भी जुड़े हुए थे। पर्किन्स ने लाइव साइंस को बताया कि यह खोज भविष्य में वैज्ञानिकों को यह पता लगाने में मदद कर सकती है कि लाखों साल पहले हमारे ग्रह पर महासागरों का निर्माण कैसे हुआ। उन्होंने कहा, एक्सट्रीम वातावरण में जीवित रहने वाले रोगाणुओं के एक समृद्ध समुदाय की हमारी खोज पृथ्वी पर जीवन की सीमाओं का पता लगाने में मदद कर सकती है। इसे हमारे सौर मंडल और उसके बाहर कहीं और जीवन की खोज के लिए लागू किया जा सकता है। जब तक हम पृथ्वी पर जीवन की सीमाओं को नहीं समझते, तब तक यह निर्धारित करना मुश्किल होगा कि क्या किसी अन्य ग्रह पर जीवन मौजूद है?

अजब-गजब | इस मंदिर को माना जाता है चमत्कारी

हर 20 साल बाद यहां होता है कुछ ऐसा, देखकर हैरान रह जाते हैं लोग

प्रकृति खुद में अनगिनत रहस्यों को समाए हुए हैं, जिनमें से कुछ रहस्यों के बारे में ही इंसान जान पाया है। दुनियाभर के तमाम वैज्ञानिक भी इन रहस्यों से आज तक पर्दा नहीं उठा पाए हैं। आज हम आपको एक ऐसे ही रहस्य के बारे में बताने जा रहे हैं जिसे कलयुग की समाप्ति से जुड़ा हुआ माना जाता है। ये रहस्य एक मंदिर से जुड़ा हुआ है। जिसमें नंदी महाराज की मूर्ति विराजमान है। दरअसल, आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में यागंती उमा महेश्वर नाम का एक मंदिर है। जो हमारे देश की ऐतिहासिक धरोहरों में से एक है। यह मंदिर जितना अद्भुत है, वह अपने आप में उतने ही रहस्य समेटे हुए है। इस मंदिर में मौजूद नंदी महाराज की प्रतिमा लगातार रहस्यमय तरीके से विशालकाय होती जा रही है। यागंती मंदिर में मौजूद नंदी महाराज की प्रतिमा को लेकर ऐसी मान्यता है कि एक दिन ऐसा आएगा जब नंदी महाराज जीवित हो उठेंगे, उनके जीवित होते ही इस संसार में महाप्रलय आ जाएगी और इस कलयुग का अंत हो जाएगा।

ऐसा कहा जाता है कि इस यागंती उमा महेश्वर मंदिर में स्थापित नंदी महाराज की प्रतिमा का आकार हर 20 साल में करीब एक इंच बढ़ जाती है। इस रहस्य से पर्दा उठाने के पुरातत्व विभाग की ओर से शोध भी किया गया था। इस शोध के मुताबिक कहा जा रहा था कि इस मूर्ति को बनाने में जिस पत्थर का इस्तेमाल किया गया था उस पत्थर की प्रकृति बढ़ने वाली है। इसी वजह से मूर्ति का आकार बढ़ रहा है। कहा जाता है कि यागंती उमा महेश्वर मंदिर में आने वाले भक्त पहले नंदी महाराज की परिक्रमा आसानी से कर लेते थे लेकिन प्रतिमा के लगातार बढ़ते आकार के चलते अब यहां परिक्रमा करना संभव नहीं है। विशाल होते नंदी को देखते हुए मंदिर प्रशासन ने वहां से एक पिलर को भी हटा दिया है। बताया जाता है कि इस मंदिर का निर्माण 15वीं शताब्दी में किया गया था। संगमा राजवंश राजा हरिहर बुक्का ने इस मंदिर को बनवाया था। कहा जाता है ऋषि अगस्त्य इस स्थान पर भगवान वेंकटेश्वर का मंदिर बनाना चाहते थे पर मंदिर में मूर्ति की स्थापना के समय मूर्ति के पैर के अंगूठे का नाखून टूट गया। इस घटना की वजह जानने के लिए अगस्त्य ने भगवान शिव की तपस्या की। उसके बाद भगवान शिव के आशीर्वाद से अगस्त्य ऋषि ने उमा महेश्वर और नंदी की स्थापना की थी।

सावन का सोमवार : शिवालयों में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

» भक्तों ने किया भगवान शिव का अभिषेक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सावन माह के दूसरे सोमवार पर पूरे देश के शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही। लखनऊ, वाराणसी और प्रयागराज समेत प्रदेश भर के शिव मंदिरों में भक्तों ने भगवान शिव का अभिषेक किया और पूजा-अर्चना की। श्रद्धालुओं ने गंगाजल, शहद और दूध से अभिषेक किया और भगवान भोले को कमल पुष्प, बेलपत्र, धतूरा व मदार अर्पित किया। गौरतलब है कि सावन के दूसरे सोमवार के साथ ही आज त्रयोदशी और प्रदोष पड़ने से इसका धार्मिक महत्व कई गुना बढ़ गया है। राजधानी लखनऊ के मनकामेश्वर और बुद्धेश्वर के शिव मंदिरों में भक्तों का सैलाब उमड़ा रहा।

कुछ नेता शिवसेना को पहुंचा रहे हैं नुकसान : पाटिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना के बागी विधायक गुलाब राव पाटिल ने कहा कि पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री रहने के दौरान पार्टी विधायकों को पर्याप्त समय नहीं दिया। ठाकरे को उन्हें घेरे रखने वाली पार्टी नेताओं की मंडली से पीछा छुड़ाना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनके (ठाकरे के) मुख्यमंत्री बनने के बाद ऐसा कोई भी नहीं रहा जिससे हम हमारे काम न होने की शिकायत कर सकें। उन्हें विधायकों को पर्याप्त वक्त देना चाहिए था। शिवसेना के कई विधायकों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और शिवसेना के बीच तनाव के लिए पार्टी के मुख्य प्रवक्ता संजय राउत को जिम्मेदार ठहराया था। ठाकरे के आसपास कुछ नेता हैं, जो शिवसेना को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इन नेताओं की वजह से, हम जैसे लोगों को झेलना पड़ता है। हमें घंटों इंतजार कराया जाता है। हम चुने हुए प्रतिनिधि हैं जो करीब तीन लाख मतदाताओं के समर्थन से चुनाव जीते हैं और इसके बावजूद हमारे साथ ऐसा अपमानजनक व्यवहार किया गया।

उद्घाटन लखनऊ। रविवार को गोमती नगर के विभूतिखंड में मोबकॉडर टेक्नोलॉजीस ने अपनी लखनऊ ब्रांच का शुभारंभ किया। कंपनी के संस्थापक आशुतोष सिंह एवं गिरिजेश की मौजूदगी में पूजा-पाठ व हवन के बाद फीता काटकर लखनऊ कार्यालय का उद्घाटन किया गया। इस मौके पर आशुतोष सिंह ने कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि वे आने वाले एक साल के भीतर 100 से अधिक लोगों को नौकरी दें। कार्यक्रम में कंपनी के सह-संस्थापक गिरिजेश विनोद कुमार सिंह, सीईओ, रघुपति गुप्स, अशोक वाजपेयी, अभिनव बाजपेयी, शालू चौधरी, राहुल सिंह आदि मौजूद रहे।

अखिलेश यादव ने प्रदेश सरकार पर बोला हमला, कहा

विनाश की राजनीति करती है भाजपा, फैला रही नफरत

» सत्ता के लिए सरकार का कर रही दुरुपयोग

» भ्रम फैलाकर जनता को कर रही गुमराह, प्रदेश बदहाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि सपा विकासपरक और रचनात्मक राजनीति करती है। समाजवादी पार्टी की प्राथमिकता में वंचित और उपेक्षित वर्ग है जिन्हें सम्मान और अधिकार नहीं मिल पाया है। भाजपा विनाश और विध्वंस की राजनीति करती है और सत्ता हासिल करने के लिए नफरत फैलाने में लगी रहती है।

उन्होंने कहा कि भाजपा का एजेंडा सामाजिक सद्भाव बिगाड़ने का हैं। समाज में तनाव पैदा कर अपना राजनैतिक स्वार्थ साधना ही भाजपा का लक्ष्य है जबकि समाजवादी पार्टी लोकतंत्र और सामाजिक एकता के लिए प्रतिबद्ध है। भाजपा सत्ता के लिए सरकार का दुरूपयोग करती है। समाजवादी सरकार में प्रगति का रास्ता प्रशस्त होता रहा है। भाजपा सरकार ने विकास का झूठा भ्रम फैलाकर जनता को गुमराह किया है। विकास योजनायें भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गयी है। मंत्रियों और अधिकारियों में सरकारी बजट के बंदरबांट की होड़ लगी है। हाल ही में जिस बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन जोर-शोर से किया गया। वह भ्रष्टाचार का प्रतीक बन गया है। हुक्मरानों ने एक्सप्रेस-वे के निर्माण में ऐसा खेल खेला कि घटिया निर्माण एक ही बारिश में धुल गया। प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटित बुन्देलखंड एक्सप्रेस-वे की सड़के कई जगह धंस गयीं। यह डबल इंजन भाजपा सरकार के निर्माण कार्य में भ्रष्टाचार को जालौन के बाद औरैया में भी धंसा एक्सप्रेस-वे प्रमाणित करता है।

उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार में किये गये विकास कार्य आज भी अपनी गुणवत्ता के कारण मजबूत बने हुए हैं। तत्कालीन सरकार में बने आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे आज तक टस-मस नहीं हुआ जबकि उस पर कई लड़ाकू विमान सहित सबसे बड़ा भारवाहक विमान हरक्यूलिस भी उतर चुका है। सपा सरकार में गांवों को शहरों से जोड़ने के लिये बेहतरीन सड़कें बनायी गयी थी। इस सरकार के पास तबादले के धंधे के अलावा कोई काम नहीं है। भाजपा सरकार के पास अपना कोई विजन नहीं है। जनता की समस्याओं के निदान में शासन-प्रशासन की कोई रुचि नहीं है। उत्तर प्रदेश विकास के मानकों में कई कदम पीछे छूट रहा है। प्रदेश की बदहाली के लिये भाजपा सरकार पूरी तरह जिम्मेदार है।

पूर्व विधायक का बेटा विष्णु मिश्र गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पूर्व विधायक विजय मिश्र के बेटे विष्णु मिश्र को एसटीएफ वाराणसी की टीम ने रविवार को पुणे में गिरफ्तार कर लिया। एक दिन पहले ही अपर पुलिस महानिदेशक वाराणसी ने उस पर एक लाख का इनाम घोषित किया था। इसकी पुष्टि विजय मिश्र की अधिवक्ता बेटी रीमा पांडेय ने भी की है।

» विजय मिश्र के बेटे पर घोषित था एक लाख का इनाम

विजय मिश्र की पुत्री रीमा पांडे ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजा। उसमें उन्होंने कहा है कि उनके भाई विष्णु मिश्र को रविवार की शाम पुणे में एसटीएफ वाराणसी ने गिरफ्तार कर लिया है। भाई की जान को खतरा है। वहीं एसटीएफ वाराणसी यूनिट फील्ड के एक अधिकारी ने बताया कि पुणे से विष्णु मिश्र की गिरफ्तारी की गई है। उनसे पूछताछ की गई है। न्यायिक रिमांड पर लेकर आज एसटीएफ की टीम रवाना होगी। विष्णु मिश्र ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी, जिसे न्यायालय ने खारिज कर दिया था।

हिमाचल प्रदेश : चुनाव में आक्रामक तरीके से भाजपा को घेरेगी कांग्रेस

» पर्यवेक्षक व छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल अगले माह जाएंगे शिमला

गीताश्री

नई दिल्ली। हिमाचल विधान सभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ कांग्रेस आक्रामक तरीके से प्रचार करेगी। यह रणनीति नई दिल्ली के छत्तीसगढ़ सदन में केंद्रीय पर्यवेक्षकों के साथ मंथन के बाद तैयार की गई। प्रदेश कांग्रेस नेताओं की बैठक छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मौजूदगी में हुई। इसमें निर्णय किया गया कि छत्तीसगढ़ और राजस्थान की तर्ज पर हिमाचल में भी पुरानी पेंशन बहाली को प्रमुख मुद्दा बनाया जाएगा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री एवं विधान सभा चुनाव के लिए कांग्रेस के पर्यवेक्षक भूपेश बघेल 7 और 8 अगस्त को शिमला जाएंगे।

महंगाई, बेरोजगारी और पुरानी पेंशन बहाली के मुद्दे उठाएगी कांग्रेस

पार्टी सूत्रों के अनुसार बैठक में हिमाचल प्रदेश विधान सभा चुनाव को लेकर रणनीति बनाई गई। फैसला लिया गया कि कांग्रेस प्रदेश में हुए भर्ती घोटालों को भुनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। प्रदेश में महंगाई और बेरोजगारी जैसे मुद्दे भी जनता के बीच ले जाने पर सहमति बनी। इसके अलावा बागवानों-किसानों, युवाओं और महिला वर्ग से जुड़े मुद्दे भी कांग्रेस हथियार के रूप में इस्तेमाल करेगी। बैठक में कांग्रेस नेता सचिन पायलट, पंजाब के नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा, अखिल भारतीय कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य राजीव शुक्ला, सह प्रभारी गुरकीरत सिंह कोटली, संजय दत्त, तजेंद्र पाल बिट्टू, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह, नेता प्रतिपक्ष मुकेश अग्निहोत्री, सुधीर शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र राणा आदि मौजूद रहे।

वरुण गांधी ने फिर साधा अपनी सरकार पर निशाना, बोले

वैज्ञानिकों का मनोबल तोड़ विश्वगुरु कैसे बनेगा भारत

» केंद्र सरकार द्वारा उम्र सीमा तय करने को लेकर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बीजेपी नेता वरुण गांधी अक्सर अपनी सरकार के फैसले से सहमत नहीं दिखाई देते हैं। इसलिए वो आए दिन अपनी नाराजगी भी जाहिर करने से नहीं कतराते। इन दिनों वरुण गांधी ने डीएसटी इंस्पायर फैकल्टी योजना में आवेदकों की उम्र सीमा को लेकर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा कि आज हर सशक्त राष्ट्र की बुनियाद प्रतिभाशाली वैज्ञानिक हैं। शिक्षा एवं शोध बजट को वरीयता न देने की वजह से पहले ही देश का बेस्ट टैलेंट् हमसे दूर जा चुका है और अब हम उनकी वापसी पर उम्र की सीमा तय कर रहे हैं, जिन्हें प्रोत्साहन चाहिए उनका मनोबल तोड़ भारत विश्वगुरु कैसे बनेगा?

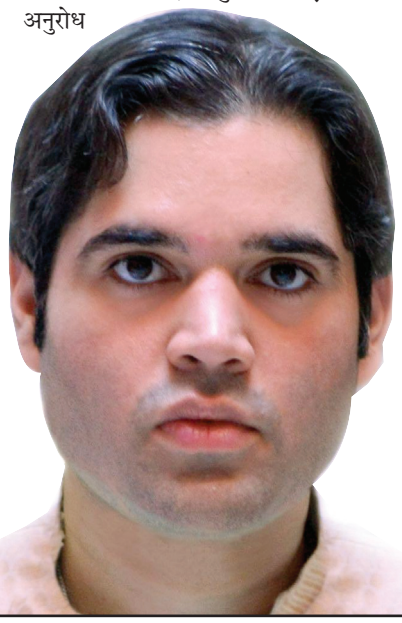

ऑल इंडिया रिसर्च स्कॉलर्स एसोसिएशन ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से इनोवेशन इन साइंस परस्यूट फॉर इंस्पायर्ड रिसर्च फैकल्टी पदों के साथ-साथ स्थायी वैज्ञानिकों के लिए आयु सीमा बढ़ाने का अनुरोध किया है। डीएसटी सचिव श्रीवरी चंद्रशेखर को संबोधित एक पत्र में वरूण ने लिखा कि 32 की एक सीमित आयु सीमा उन अधिकांश आवेदकों के लिए अनुचित लगती है, जो पर्याप्त पोस्टडॉक अनुभव प्राप्त कर रहे हैं और विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विकास में योगदान देना चाहते हैं।

इस पत्र में लिखा, हम आपसे अनुरोध करते हैं कि 32 वर्ष की सीमित आयु सीमा के बजाय आयु सीमा को 40 वर्ष तक बढ़ाकर सभी शोधकर्ताओं के लिए रास्ते खोलें, एसोसिएशन ने आगे बताते हुए कहा, भारतीय पीएचडी विद्वानों के पास नवीन शोध करने के लिए एक शानदार दिमाग है, लेकिन उच्च स्तर के पोस्टडॉक्टरल अनुसंधान कौशल हासिल करने के लिए उनमें से ज्यादातर विदेश चले जाते हैं। अधिकांश पोस्टडॉक अपने पीएचडी कार्यक्रमों के अंत तक अपने 30 के दशक में हैं और 3 से 5 साल के अपेक्षित पोस्टडॉक प्रशिक्षण के बाद, वे 35 से अधिक आयु तक पहुंचते हैं।

कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती : सानिया

छात्रा बोलीं, रोज पढ़े और समझ कर तैयारी करें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी में गोमतीनगर निवासी सानिया भार्गव 12वीं में 99.25 फीसदी अंक लाई है। आईएससी एग्जाम में अच्छे अंक लाकर सानिया ने अपने घर को रोशनी से भर दिया है। सानिया के अच्छे नंबर लाने पर उनके माता-पिता ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। वहीं सानिया ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता व शिक्षकों को दिया है। गोमतीनगर स्थित सेठ एमआर जयपुरिया की छात्रा सानिया कहती हैं कि कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती के कांसेप्ट पर पढ़ाई की और उसी का परिणाम हैं कि मैं अच्छे नंबर ला पाई। मैं आगे भी हमेशा पढ़ाई में ऐसे ही टॉप क्लास नंबर लाऊंगी।

99.25
फीसदी अंक 12वीं में लाई हैं सानिया भार्गव

सानिया बताती हैं कि मेरा लक्ष्य सिविल सर्विसेज हैं और मैं इसके लिए लगन से तैयारी भी करूंगी। मैं आईएएस बनना चाहती हूं। दूसरे छात्रों को भी मेरी यही सलाह है कि परीक्षा से पहले पढ़ने के लिए कुछ न छोड़ें। रोज पढ़े और समझ कर तैयारी करें। पढ़ाई को कभी भी बोझ न समझें। आत्मविश्वास के साथ पढ़ाई करेंगे तो सफलता के शिखर को चूमेंगे। सानिया के पिता अमित भार्गव ने बताया कि सानिया पढ़ाई और सामाजिक मुद्दों को लेकर हमेशा बहुत जागरूक रहती है। घर पर नियमित दिनचर्या के साथ साथ सामाजिक मुद्दों पर भी उसका फोकस हमेशा रहता है। सानिया अक्सर मुझसे कहती हैं कि लड़कियों ने जिंदगी में नयी ऊंचाइयां छुई है और नये भारत का नया भविष्य लड़कियां ही बनेगी।

शिव सेना पर अधिकार की जंग

चुनाव आयोग के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचा उद्धव ठाकरे गुट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शिव सेना पर अधिकार की जंग को लेकर उद्धव गुट एक बार फिर से सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। अब उद्धव ठाकरे गुट ने चुनाव आयोग की कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की है। शिवसेना पर अधिकार को लेकर चुनाव अयोग ने दोनों गुटों (शिंदे व उद्धव) को आठ अगस्त तक का समय दिया है। दोनों गुटों को अपना-अपना दावा साबित करने को कहा गया है।

» कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग, दाखिल की याचिका

» आठ अगस्त तक दावा साबित करने के आदेश को चुनौती

शिवसेना में चल रही अंदरुनी लड़ाई का मामला एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। इस बार चुनाव आयोग के आदेश को लेकर उद्धव ठाकरे शिवसेना गुट ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। असली शिवसेना के रूप में मान्यता के लिए एकनाथ शिंदे-गुट की याचिका पर चुनाव आयोग की कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग की है। उद्धव गुट का कहना है कि चुनाव आयोग यह निर्धारित नहीं कर सकता कि बागी विधायकों की अयोग्यता पर फैसला होने तक असली शिवसेना कौन है? चुनाव आयोग के शिंदे गुट और उद्धव गुट को शिवसेना के अधिकार के दावे दस्तावेज के साथ 8 अगस्त तक दाखिल करने के आदेश को चुनौती दी। उद्धव गुट ने चुनाव आयोग के आदेश को असंवैधानिक और जल्दबाजी में लिया फैसला करार दे रहा है। ठाकरे ग्रुप के शिवसेना महासचिव सुभाष देसाई ने याचिका दायर की है। याचिका में कहा है कि शिंदे गुट अवैध रूप से संख्या बढ़ाने और संगठन में कृत्रिम बहुमत बनाने की कोशिश कर रहा है। मुद्दा पहले से ही सुप्रीम कोर्ट के समक्ष लंबित है। यदि चुनाव आयोग इस मामले पर आगे बढ़ता है तो यह अपूरणीय क्षति का कारण बनेगा, जो मामला अदालत के समक्ष विचाराधीन है, उसमें जांच करना न्यायिक कार्यवाही में हस्तक्षेप के बराबर है। इस तरह ये अदालत की अवमानना के बराबर है। चुनाव आयोग ने दोनों गुटों से पार्टी के अंदर चले रहे विरोध की वजहों का ब्योरा भी लिखित में देने को कहा गया है। इससे पूर्व चुनाव आयोग को लिखे एक पत्र में सीएम एकनाथ शिंदे और उनके साथी विधायकों ने अपने साथ शिवसेना के 40 विधायक और 12 सांसदों के होने का दावा किया है।

दो बसों की टक्कर में आठ लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बाराबंकी जिले में दर्दनाक हादसा हुआ है। बस हादसे में आठ यात्रियों की मौत हो गई है। जबकि करीब तीन दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। पांच-छह लोगों को लखनऊ रेफर किया गया है। सीएम योगी ने घटना पर दुख जताया है। जानकारी के अनुसार पूर्वांचल एक्सप्रेस पर भोर में लोनी कटरा थाना इलाके के नरेंद्रपुर मदरहा गांव के पास खड़ी बस में पीछे से आई दूसरी बस जा टकराई। हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई जबकि 36 लोग घायल हैं। मृतकों में चार की पहचान हो गई है।

बाराबंकी जिले में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर हादसा, सीएम ने जताया शोक

यात्रियों की माने तो नरेंद्रपुर मदरहा गांव के पास एक्सप्रेस-वे के किनारे यमुना ट्रैवल्स की बस पहले खड़ी थी। यहां कैंटीन होने के कारण इसमें अधिकतर सवारियां उतर कर नीचे आ गई थी। करीब 4:30 बजे सीतामढ़ी बिहार से नई दिल्ली जा रही अशोक ट्रेवल्स की वोल्वो बस इस बस में पीछे से जा घुसी। हादसे में दोनों बसों में सवार करीब 36 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों की सूचना पर करीब आधे घंटे बाद पहुंची एक्सप्रेसवे की एंबुलेंस और पुलिस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हैदर गढ़ भिजवाया। यहां 8 लोगों को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतकों में लदोरा कल्याणपुर जिला समस्तीपुर बिहार के ओम प्रकाश राय (33), शिवधारी (42) जिला मधुबनी बिहार, चितनारायण (75) कालापट्टी जिला मधुबनी बिहार व कमलेश कुमार (23) धीमा, थाना पिपरी जिला सीतामढ़ी बिहार की पहचान पुलिस ने की है।

आधा दर्जन लोगों को गंभीर हालत में ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर किया गया है। पीछे से टक्कर मारने वाली बस का चालक परिचालक घटना के बाद से लापता है। एसपी मनोज कुमार पांडे ने मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया। बाकी चार मृतकों की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाराबंकी के लोनी कटरा इलाके में हुई एक सड़क दुर्घटना में लोगों की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया है। सीएम ने ट्वीट करते हुए लिखा कि पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर सड़क दुर्घटना में हुई जनहानि अत्यंत दुःखद है।

विजय के साथ धोखाधड़ी साइबर सेल में शिकायत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी के राजाजीपुरम निवासी विजय बहादुर धोखाधड़ी का शिकार हो गए। उन्होंने अपने साथ हुई ठगी की शिकायत साइबर सेल व आईटीसेल कमिश्नरेट में की है। पीड़ित ने मामले में आगे विधिक कार्यवाही करने की भी बात कही है।

पीड़ित रिटायर सूचना अधिकारी विजय बहादुर ने बताया कि मुझे 7606064016 से फोन आया कि मैं शर्मा ड्राइवर बोल रहा हूं। ठेकेदार से 20 हजार रुपए लेने है। पेटीएम चलाना नहीं आता है। पेटीएम में उलझाकर पिन के जरिए मेरे खाते से दस हजार निकाल लिए। यही नहीं, मेरे खाते से दोबारा दस हजार एमेजान में चले गए, जिसका नंबर यूटीआर 220539096748 है। विजय बहादुर ने साइबर सेल से अपने साथ हुई धोखाधड़ी की जांच कर अपना पैसा वापस दिलाने की गुहार कमिश्नरेट से लगाई है। पीड़ित ने शिकायत की एक प्रतिलिपि अपनी स्थानीय बैंक शाखा में शाखा प्रबंधक को दी है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।